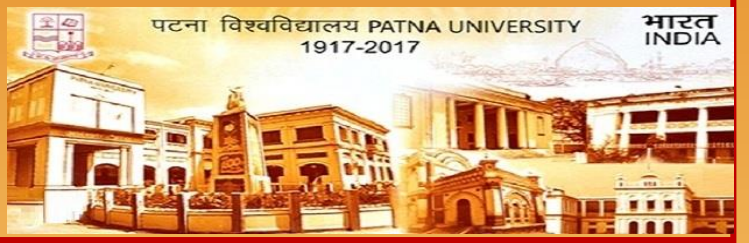

Patna University In News (18.12.2022)

दैनिक भास्कर

छुट्टियों में एकरूपता • राजभवन ने यूनिफॉर्म कैलेंडर तैयार करने को बनाई कमेटी

विश्वविद्यालयों में तय होंगे काम के न्यूनतम दिन, छुट्टी का यूनिफार्म कैलेंडर करेंगे फॉलो

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना/भागलपुर

राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में छुट्टियों में एकरूपता लाई जाएगी। राजभवन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। राजभवन ने पटना विवि, पाटलिपुत्र विवि और मुंगेर विवि के वीसी की कमेटी बनाई है जो विश्वविद्यालयों के लिए छुट्टी का यूनिफॉर्म कैलेंडर तैयार करेगी। राजभवन ने कमेटी से एक हफ्ते में यूनिफॉर्म कैलेंडर का ड्राफ्ट मांगा है। राजभवन के संयुक्त सचिव प्रवीण कुमार गुप्ता ने इसकी अधिसूचना जारी की है। अब पटना विवि, टीएमबीयू सहित अन्य विवि, नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी (एनओयू) और आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी (एकेयू) में एकसमान छुट्टी का कैलेंडर फॉलो किया जाएगा। साथ ही हर वर्ष काम के न्यूनतम दिन भी तय किए जाएंगे। ये चीजें वर्ष 2023 से लागू होंगी।

पीयू, पीपीयू और मुंगेर विवि के कुलपतियों की टीम बनाएगी कैलेंडर

दरअसल पटना विवि का अलग एक्ट है। टीएमबीयू सहित अन्य परंपरागत विवि 1976 के एक्ट से संचालित होते हैं जबकि एनओयू और एकेयू भी अपने-अपने एक्ट से चलते हैं। ऐसे में एक राज्य के में चल रहे अलग-अलग विश्वविद्यालयों में छुट्टी का अलग-अलग कैलेंडर फॉलो हो रहा था। टीएमबीयू के जानकार लोगों ने बताया कि यूनिफॉर्म कैलेंडर लागू होने पर अलग-अलग एक्ट से संचालित हो रहे विश्वविद्यालयों में छुट्टी का प्रावधान एक जैसा हो जाएगा। इसका मतलब यह है कि अगर किसी त्योहार पर पुराने विवि में अगर चार दिन की छुट्टी मिल रही है और एनओयू व एकेयू में पांच दिन की छुट्टी मिलती है तो दोनों को एकरूप किया जाएगा। इसी तरह एनओयू या एकेयू में किसी मौके पर कम और अन्य विवि में ज्यादा अवकाश है तो इसे भी समान किया जाएगा। अधिसूचना में कमेटी को पटना विवि एक्ट, 1976 के एक्ट, एनओयू और एकेयू के एक्ट का अध्ययन कर कैलेंडर तैयार करने को कहा गया है।

साल में काम के न्यूनतम दिन भी होंगे तय

यूनिफॉर्म कैलेंडर के साथ एक साल में काम के न्यूनतम दिन भी तय किए जाएंगे। यानी छुट्टियों के साथ कम से कम कितना दिन काम करना अनिवार्य होगा, यह भी तय किया जाएगा। कोविड के कारण 2020 और 2021 में काम की ज्यादा हानि होने और 2022 में इसकी भरपाई में समय बीता। अब जब कोरोना का संक्रमण थम गया है तो राजभवन एक निश्चित दिन तय कर उतने दिन काम करना अनिवार्य करेगा। इसकी एक वजह यह भी है कि कुछ विश्वविद्यालयों में राजभवन से तय छुट्टी के अतिरिक्त भी छुट्टी ली जाती रही थी। टीएमबीयू का उदाहरण देखें तो यहां दीपावली की छुट्टी 24 अक्टूबर की जगह 2 अक्टूबर से ले ली गई थी।

क्रिसमस पर घटी छुट्टी बढ़ाने की मांग : दूसरी तरफ इस बार राजभवन ने क्रिसमस पर मिलने वाली छुट्टी घटा दी है। 2021 तक 24 दिसंबर से एक जनवरी तक छुट्टी दी गई थी। लेकिन इस बार सिर्फ 25 दिसंबर को अवकाश रखा गया है और उस दिन रविवार है। इसके विरोध में शिक्षक और कर्मचारी संघ ने शिक्षा मंत्री से वार्ता की थी जबकि राजभवन को भी पत्र दिया गया था। हालांकि अभी तक राजभवन ने इस पर निर्णय नहीं लिया है।

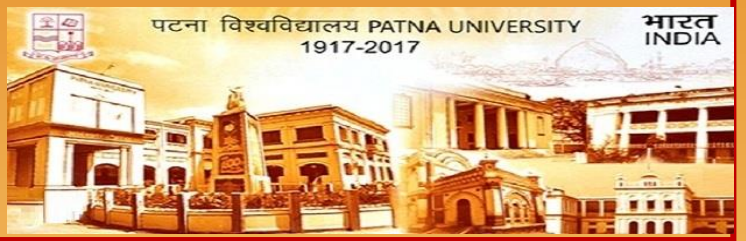

Patna University In News (18.12.2022)

दैनिक भास्कर

पीयू में सीनेट की बैठक 23 को, सदस्यों से मांगे गए प्रश्न

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

पटना विश्वविद्यालय में सीनेट की बैठक 23 दिसंबर को होगी। बैठक को लेकर विवि में तैयारी चल रही है। बैठक को लेकर सभी सीनेट सदस्यों से प्रश्न आमंत्रित किए गए हैं। बैठक में छात्र संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारी भी शामिल होंगे। इससे बैठक के हंगामेदार रहने की उम्मीद है। सभी सदस्य अपने प्रश्न लिखित रूप से देंगे जिसका विवि सवाल जवाब तैयार करेगा। उक्त सवालों को संबंधित व्यक्ति बैठक में उठायेंगे। कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी या संबंधित अधिकारी उक्त सवालों का जवाब देंगे। बैठक में एकेडमिक काउंसिल व सिंडिकेट के सभी प्रस्तावों पर चर्चा के बाद स्वीकृति या अस्वीकृति प्रदान की जाएगी। साथ ही करीब 439 करोड़ रुपये के घाटे का बजट को स्वीकृति प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त फोरेंसिक साइंस समेत कई नये कोर्स व अन्य एकेडमिक मामलों को स्वीकृति प्रदान की जाएगी।

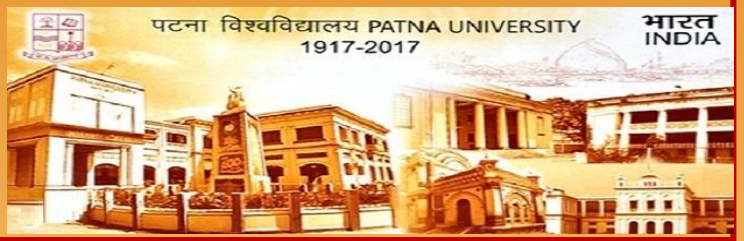

Patna University In News (18.12.2022)

दैनिक भास्कर

पीयू में सीनेट की बैठक 23 को, सदस्यों से मांगे गए प्रश्न

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

पटना विश्वविद्यालय में सीनेट की बैठक 23 दिसंबर को होगी। बैठक को लेकर विवि में तैयारी चल रही है। बैठक को लेकर सभी सीनेट सदस्यों से प्रश्न आमंत्रित किए गए हैं। बैठक में छात्र संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारी भी शामिल होंगे। इससे बैठक के हंगामेदार रहने की उम्मीद है। सभी सदस्य अपने प्रश्न लिखित रूप में देंगे जिसका विवि सवाल जवाब तैयार करेगा। उक्त सवालों को संबंधित व्यक्ति बैठक में उठायेंगे। कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी या संबंधित अधिकारी उक्त सवालों का जवाब देंगे। बैठक में एकेडमिक काउंसिल व सिंडिकेट के सभी प्रस्तावों पर चर्चा के बाद स्वीकृति या अस्वीकृति प्रदान की जाएगी। साथ ही करीब 439 करोड़ रुपये के घाटे का बजट को स्वीकृति प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त फोरेंसिक साइंस समेत कई नये कोर्स व अन्य एकेडमिक मामलों को स्वीकृति प्रदान की जाएगी।

दैनिक जागरण

वर्कशॉप में छात्र-छात्राओं को दी गयी कई जानकारी

पटना.पटना विवि के लोक प्रशासन संस्थान और यूजीसी महिला अध्ययन केंद्र की ओर से शनिवार को लैंगिक संवेदनशीलता पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया. साइंस कॉलेज में आयोजित वर्कशॉप में प्रोफेसर बीरेंद्र प्रसाद सिंह ने वैश्विक स्तर पर महिलाओं की बेहतर स्थिति पर बातें कही. वहीं दिल्ली विवि मिरांडा हाउस की प्राचार्य प्रो विजय लक्ष्मी ने कार्यवाहक सुरक्षा में ऑडिट में पटना विवि का सहयोग करने की इच्छा जाहिर की. वर्कशॉप में यूजीसी महिला अध्ययन केंद्र की प्रमुख प्रो सुनीता राय ने पितृसत्ता और अधिकारिता के बीच संतुलन बनाने पर जोर दिया. कार्यक्रम में महिला उद्योग की संस्थापक उषा झा ने छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित किया.

वहीं तेरापंथ महिला मंडल पटना की ओर से शनिवार को राजकीय कन्या विद्यालय अमला टोला गर्दनीबाग में कन्या सुरक्षा सर्कल व पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया.

हिन्दुस्तान

योग का विज्ञान से गहरा संबंध : प्रो. अजय

पटना। पटना विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा सीनेट हॉल में शनिवार को 'फिलॉसफी एंड इंटरनल सिंक्रोनाइज साइंस ऑफ क्रिया योग' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें पीयू के प्रतिकुलपति प्रो. अजय कुमार सिंह ने कहा कि योग का विज्ञान से गहरा संबंध है। मौके पर मुख्य वक्ता ज्योति कपूर, पूर्व डीजीपी डीएम गौतम, विमल जैन, स्वामी भावत्मानंद, प्रो. राजेश कुमार सिंह, प्रो. अनिल कुमार आदि ने विचार रखे।

Patna University In News (18.12.2022)

दैनिक भास्कर

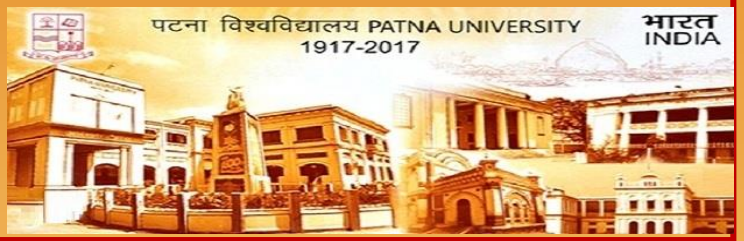

18/12/22

पटना विश्वविद्यालय में क्रियाः[illegible] पर वर्कशॉप का आयोजन

पटना | पटना विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र [illegible] द्वारा व्हीलर सीनेट हॉल मे फिलॉसफी एंड [illegible] स्प्रिचुअल साइंस ऑफ क्रिया योग पर एक [illegible] कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके प[illegible] विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो अजय कुमार [illegible] विज्ञान के साथ योग के संबंध को बताया। मुख[illegible] के रूप में शामिल योगीराज श्यामाचरण मि[illegible] फाउंडर वर्किंग प्रेसिडेंट ज्योति कपूर ने कहा कि [illegible] चरण लाहिरी महाशय का क्रिया योग प्राणायाम पर आधारित है जो शरीर को पंचकोश एवं पंचप्राण में बैठता है। राज्य के पूर्व डीजीपी डीएम गौतम ने क्रियायोग को दैनिक उदाहरणों के साथ इसके महत्व को बताया।

दैनिक जागरण

योग प्राणायाम पर आधारित है क्रिया

जागरण संवाददाता, पटना : पटना विश्वविद्यालय, दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा व्हीलर सीनेट हाल मे "फिलासफी एंड इंटरनल स्पिरिचुअल साइंस आफ क्रिया योग" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। योगीराज श्यामाचरण मिशन की फाउंडर वर्किंग प्रेसिडेंट ज्योति कपूर ने कहा कि श्यामा चरण लाहिरी महाशय का क्रिया योग प्राणायाम पर आधारित है। शांतनु कपूर ने क्रिया योग को महर्षि पतंजलि के राजयोग से जोड़कर उसके संबंध को बताया। पूर्व डीजीपी डीएन गौतम, पीयू प्रतिकुलपति प्रो. अजय कुमार सिंह, आइसीपीआर के पूर्व चेयरमैन आरसी सिन्हा, समाजसेवी पद्मश्री विमल जैन ने विचार व्यक्त किए। प्रो. राजेश कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन विजेता सिंह ने किया। इस मौके पर पीयू के डीएसडब्ल्यू प्रो. अनिल कुमार, प्रो. बीना कुमारी, प्रो. शैलेश सिंह, प्रो. श्यामल किशोर सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे।

दैनिक जागरण

लैंगिक संवेदीकरण पर कार्यशाला

पटना। पटना विश्वकि॰ालय के आई.क्यू.ए.सी. लोक प्रशासन संस्थान और यूजीसी महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में द्यलैंगिक संवेदीकरणद्ध पर कार्यशाला हुई। आयोजन पटना साइंस कॉलेज के यूजीसी -एचआरडीसी केंद्र में शनिवार को हुआ। आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. वीरेंद्र प्रसाद सिंह ने स्वागत किया। अध्यक्षता डीन प्रो. अनिल कुमार ने की। कार्यक्रम में उद्यमी उषा झा, सामाजिक कार्यकर्ता ट्रांसवुमन अनुप्रिया भी उपस्थिति थीं। प्रो. विजयालक्ष्मी नंदा, प्राचार्य, मिरांडा हाउस (डीयू) भी ऑनलाइन जुड़ीं। लोक प्रशासन संस्थान की निदेशक प्रो. शेफाली राय ने भी विषय पर अपनी विशेषज्ञता श्रोताओं के साथ साझा की।